प्रेस सूचना ब्यूरो
भारत सरकार
*****

माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप के दूसरे चरण का उद्घाटन किया

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने युवाओं से जमीनी स्तर पर सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने का आह्वान किया

नई दिल्ली,
25 अक्टूबर, 2021

माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप के दूसरे चरण का उद्घाटन किया, जो जमीनी स्तर पर कौशल विकास को बढ़ाने में योगदान देने हेतु युवा और गतिशील व्यक्तियों के लिए अवसर पैदा करने के लिए दो वर्ष की लंबी फैलोशिप की कल्पना की गई है।

दो वर्षीय फेलोशिप को शैक्षणिक भागीदार आईआईएम द्वारा कक्षा सत्रों को जिला स्तर पर इंटेंसिव फील्ड इमर्शन के साथ जोड़ना चाहता है ताकि विश्वसनीय योजनाएँ बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आर्थिक उत्पादन बढ़ाने और आजीविका को बढ़ावा देने में आ रही बाधाओं की पहचान की जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री प्रधान ने, साथियों से कौशल विकास प्रयासों को बढ़ाकर जमीनी स्तर पर सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने जिला कलेक्टरों और शैक्षणिक भागीदार आईआईएम से इस फेलोशिप के माध्यम से फेलो की सुविधा और बदलाव की सफलता की कहानी लिखने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम आत्मानिर्भर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले जबरदस्त परिवर्तन से नए कौशल और अधिक कुशल पेशेवरों की मांग पैदा होगी और इस प्रकार जिला स्तर पर स्किल मैपिंग और तदनुसार कौशल विकास प्रयासों को निर्देशित करने की आवश्यकता होगी।

21वीं सदी की आवश्यकताओं और स्थानीय वास्तविकताओं के अनुरूप, माननीय मंत्री प्रधान ने साथियों से कौशल विकास के प्रयासों में स्थानीय भाषा को एकीकृत करने सहित वैश्विक सोच और स्थानीय दृष्टिकोण के साथ काम करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में बोलते हुए, श्री प्रधान ने शिक्षा और कौशल के बीच मजबूत अभिसरण बनाने और इस दिशा में हाल ही में की गई पहलों को रेखांकित किया, जिसमें एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट भी शामिल है। उन्होंने आईआईएम से छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जागरूक करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, एमएसडीई, सुश्री अनुराधा वेमुरी, संयुक्त सचिव, एमएसडीई, श्री अश्विन गौड़ा, मिशन निदेशक, कर्नाटक कौशल विकास निगम (केएसडीसी), श्री स्वप्निल टेंबे, जिला कलेक्टर, पूर्वी गारो हिल्स, मेघालय, श्री पी. सुनील कुमार, जिला कलेक्टर, विजयपुरा, कर्नाटक और प्रोफेसर अर्नब मुखर्जी, आईआईएम बैंगलोर, भी उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप के बारे में विवरण:

मिशन को संचालित करने और देश में कौशल प्रशिक्षण वितरण तंत्र को मजबूत करने के लिए, कौशल अधिग्रहण और आजीविका संवर्धन के लिए ज्ञान जागरूकता (संकल्प), एक विश्व बैंक ऋण सहायता कार्यक्रम है, जिसे जनवरी 2018 में कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।

संकल्प देश में कुशल जनशक्ति की आपूर्ति और मांग के बीच असंतुलन को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए जिला कौशल समितियों (डीएससी) के साथ संलग्न है, जिससे युवाओं को काम करने और कमाने के अच्छे अवसर मिलते हैं।

संकल्प के अंतर्गत एमजीएनएफ कार्यक्रम को जिला स्तर पर पेशेवरों का एक काडर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जो सामान्य रूप से न केवल शासन और सार्वजनिक नीति के बारे में जानते हैं बल्कि व्यावसायिक शिक्षा के बारे में भी जानते हैं। एनजीएनएफ क्रमशः आईआईएम परिसर और जिलों में संचालित शैक्षणिक और कार्य-आधारित प्रशिक्षण का

एक अनूठा मिश्रण है। अकादमिक मॉड्यूल फेलो को प्रबंधन, विकास अर्थशास्त्र, सार्वजनिक नीति और जिला कौशल पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणाओं से परिचित कराता है। फील्डवर्क (डिस्ट्रिक्ट इमर्शन) के दौरान, फेलो डीएससी अधिकारियों के साथ जिले के सामने आने वाली कौशल चुनौतियों पर काम करेंगे। डीएससी अधिकारियों के साथ, वे जिला कौशल विकास योजनाओं (डीएसडीपी) और कार्यान्वयन रोड मैप को एक साथ रखेंगे। एमजीएनएफ जिलों में साक्ष्य-आधारित योजना और कौशल के प्रबंधन पर जिलों की सहायता करेंगे। स्थानीय जरूरतों के लिए कौशल विकसित करने पर तीव्र ध्यान "वोकल फॉर लोकल" को प्रोत्साहन देता है, और एक उद्योग-प्रासंगिक कौशल आधार का निर्माण भी "आत्मनिर्भर भारत" के उद्देश्य को पूरा करने में मदद करता है।

एमजीएनएफ़ 21-30 वर्ष के आयु वर्ग में युवा महिलाओं और पुरुषों के लिए एक अवसर है, जिनके पास कौशल विकास कार्यक्रम में सुधार करने हेतु जिला प्रशासन को उत्प्रेरक सहायता प्रदान करने के लिए पहले से ही कुछ स्तर की शैक्षणिक या व्यावसायिक विशेषज्ञता है।

एमजीएनएफ़ चरण- I (पायलट): आईआईएम बैंगलोर के साथ अकादमिक भागीदार के रूप में लॉन्च किया गया और वर्तमान में 69 फेलो हैं जो 6 राज्यों के 69 जिलों में तैनात हैं।

एमजीएनएफ़ चरण- II (राष्ट्रीय रोल आउट): 25 अक्टूबर को 641 एमजीएनएफ़ के साथ लॉन्च किया जा रहा है, जिन्हें देश के सभी जिलों में तैनात किया जाएगा। कुल मिलाकर 9 आईआईएम (आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम बैंगलोर, आईआईएम-जम्मू, आईआईएम कोझीकोड, आईआईएम लखनऊ, आईआईएम नागपुर, आईआईएम रांची, आईआईएम-उदयपुर और आईआईएम विशाखापत्तनम) में 8 और आईआईएम शामिल हो गए हैं।

******

MJPS/AK